NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिन्दी
Chapter : 11
Chapter Name : गीत-अगीत

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1. नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है? इससे संबंधित पंक्तियों को लिखिए-
2. जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?
3. प्रेमी जब गीत गाता है, तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है?
4. प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति-चित्रण को लिखिए।
5. प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।
6. मनुष्य को प्रकृति किस रूप से आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।
7. सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए।
8. गीत-अगीत के केंद्रीय भाव को लिखिए।

Answer.
1. तट पर गुलाब यह सोचता है - कि
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मै भी जग को गीत सुनाता।"

2. शुक अपनी खुशी को दर्शाने के लिए जब गीत गाता है, तो उसका स्वर पूरे वन में गूँजने लगता है। शुकी का मन भी उस समय गाने के लिए करता है पर वह अपने वात्सल्य के कारण मौन रह जाती है। शुकी के पंख खुशी से फूल जाते है। और वह मौन हो के भी अत्यधिक प्रसन्न हो उठती है।

3. जब प्रेमी शाम के समय गीत गाता है, तब उसकी जो प्रेमिका अपने प्रेमी के गीत को सुनने के लिए अपने घर से बाहर आ जाती है, और एक नीम के पेड़ के पीछे छिपकर अपने प्रेमी का मधुर स्वर, गीत सुनने लगती है। तब उस वक्त प्रेमिका की इच्छा होती है, कि काश वह भी उस गीत की पंक्ति बन सकती।

4. प्रथम छंद में कविराज ने प्रकृति का सजीव सुंदर चित्रण किया है। पहले छंद में नदी अपने वेग से बहती है, मानों कि किनारों से अपने दुख को बताती या अभिव्यक्त करते बही जा रही है। और वही उस तट पर खड़ा गुलाब का पौधा है जो मौन खड़ा है।

5. प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों का बड़ा गहरा और मधुर संबंध होता है। सभी पशु-पक्षी अपने भोजन एवं आवास के लिए प्रकृति पर निर्भर होते है। उनके सारे कार्य प्रकृति पर ही निर्भर होते है। प्रकृति पर ही उनका पूरा जीवन निर्भर होता है। अर्थात उनके जो क्रिया-कलाप होते है, वो सब प्रकृति से जुड़े होते है।

aglasem.com

प्रकृति की सुंदरता इतनी मनमोहक होती है, कि पशु-पक्षियों को गाने,गुनगुनाने और चहचहाने को प्रेरित करती है। इस प्रकृति के साथ ही पशु-पक्षियों के आपसी संबंधों को आगे लेकर जाती है, एवं दूसरे के प्रेम में खो जाते है।

6. मनुष्य को प्रकृति अनेक रूपों में आंदोलित करती है। प्रकृति का मोहक रूप उसे गाने के लिए विवश कर देता है। प्राकृतिक सौंदर्य इतना मनमोहक और सुहावना होता है, कि शाम की जो मनमोहक छप्प या अदा होती है, वह प्रेमी को गीत गाने के लिए विवश तो उसकी प्रेमिका को उसके घर से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर देती है।

7. गीत-अगीत का जो संबंध है, वो मन में उठनेवाले भावों को स्वर मिल जाते है, तो वह गीत बन जाता है। फिर जब भावनाओ को स्वर नहीं मिल पाते वह अगीत कहलाता है। अगीत को भले ही अभिव्यक्ति का कोई अवसर न मिले परंतु उसके अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता है। अभिव्यक्त न होते हुए भी वह अपने आप में संपूर्ण होता है, इसलिए कवि ने कहा कि कुछ अगीत भी होता है।

8. इस कविता से कवि यह कहना चाहते हैं कि ऐसा कोई ज़रूरी नहीं कि मन के हर विचारों को गीत के रूप में व्यक्त किया जाए। अगीत की भी अपनी एक सुंदरता होती है। उसे भले व्यक्त न किया गया हो परन्तु उसका भी अपना अस्तित्व है। पहचान न मिलने पर भी वह पूरा है इसी कारण कवि ने उसे अगीत कहा है।

Page : 101 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q2 संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए-
1. अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।
2. गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
3. हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना यों मन में गुनती है।

Answer
1. संदर्भ: प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श' भाग १ के पाठ ११ 'गीत-अगीत' से ली गई है। इसके रचियता 'श्री रामधारी सिंह दिनकर जी' हैं।
व्याख्या: इन पंक्तियों में कवि ने गुलाब के पेड़ का वर्णन किया गया है, जो नदी किनारे खड़ा होकर यही सोच रहा है कि अगर उसके पास स्वर होते तो वो अपने पतझड़ की व्यथा सुना सकता था।

2. संदर्भ: प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श' भाग-1 के पाठ-11 'गीत-अगीत' से ली गई है। इसके रचियता 'श्री रामधारी सिंह दिनकर जी' हैं।

aglasem.com

व्याख्या: इन पंक्तियों में कवि ने उस गीत की बात कही है जो सूरज की किरणों के शुक के अंगों पर पत्तों से छनकर पड़ने से गाया जाता है।

3. संदर्भ: प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श' भाग १ के पाठ ११ 'गीत-अगीत' से ली गई है। इसके रचियता 'श्री रामधारी सिंह दिनकर जी' हैं।
व्याख्या: जब कोई प्रेमिका अपने प्रेमी के गीतों को सुनती है तो सोचती है कि काश वह भी अपने प्रेमी के गीतों का भाग बन पाती।

Page : 101 , Block Name : संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए

Q3 निम्नलिखित उदाहरण में 'वाक्य-विचलन'को समझने का प्रयास कीजिए। इसी आधार पर प्रचलित वाक्य-विन्यास लिखिए –
उदाहरण: तट पर एक गुलाब सोचता
एक गुलाब तट पर सोचता है।
(क) देते स्वर यदि मुझे विधाता

(ख) बैठा शुक उस घनी डाल पर

(ग) गूँज रहा शुक का स्वर वन में

(घ) हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

(ङ) शुकी बैठ अंडे है सेती

Answer -
(क) यदि विधावा मुझे स्वर देते।
(ख) उस घनी डाल पर शुक बैठा है।
(ग) शुक का स्वर वन में गूँज रहा है।
(घ) मैं गीत की कड़ी क्यों न हो सकी।
(ङ) शुकी बैठ कर अंडे सेती है।
Page : 102 , Block Name : वाक्य-विचलन

aglasem.com